

- सामान्य और जीवन बीमा के लिए - एसबीआई जेनरल इंश्योरंस कंपनी लि. और एसबीआई लाइफ इंश्योरंस कं लि
- प्राप्य फैक्ट्रिंग के लिए - एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लि.
- कस्टोडियल सर्विसेज बैंकिंग- विदेशी (एफआईआई, एफपीआई, एफवीसीआई) और घरेलू संस्थागत ग्राहकों के लिए - एसबीआई सोसाइटी जनरल ग्लोबल सिक्योरिटीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड

बदलते बैंकिंग परिदृश्य के साथ समायोजित करने के लिए, आपके बैंक ने कैग बीयू के भीतर दो विशेष इकाइयों का निर्माण किया है:

**कॉरपोरेट समाधान समूह (सीएसजी) -** महत्वपूर्ण क्षेत्रों, अर्थात् एफएमसीजी, ऑटो, एग्री, फार्मा और आईटी में कॉरपोरेट ग्राहकों की 360 डिग्री बैंकिंग आवश्यकताओं को देखते हुए, अपने पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को कवर करने के लिए और मौजूदा और साथ ही नए बैंक ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए।

**वित्तीय संस्थान समूह (एफआईजी)-** बीमा कंपनियों, ब्रोकरेज फार्मा, बैंकों (निजी और विदेशी), म्यूचुअल फंड, एफडीआई और एफपीआई संस्थाओं जैसे वित्तीय संस्थानों की क्रेडिट, लेनदेन, सामान्य बैंकिंग और गैर-बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए।

31 मार्च, 2021 को 5.42 लाख करोड़ रुपए (फंड आधारित - 3.61 लाख करोड़ रुपए और गैर-फंड आधारित - 1.81 लाख करोड़ रुपए) के कुल ऋण पोर्टफोलियो की तुलना में 31 मार्च, 2022 तक सीएजी बीयू का कुल ऋण पोर्टफोलियो 6.18 लाख करोड़ रुपए (फंड आधारित - 4.02 लाख करोड़ रुपए और गैर-फंड आधारित - 2.16 लाख करोड़ रुपए) था। वित्त वर्ष 2022 की दूसरी छमाही में ऋण की मांग में तेजी आई है, जिसके परिणामस्वरूप CAG BU में 0.76 लाख करोड़ रुपए की शुद्ध ऋण वृद्धि हुई है। देश के प्रमुख शीर्ष कॉरपोरेट्स और नर्वरत्न पीएसयू बैंक बीयू के सम्मानित ग्राहक हैं।

#### ख. राजकोषीय परिचालन

वैश्विक बाजार आपके बैंक के घरेलू राजकोषीय परिचालन संपन्न करता है और वह अपेक्षित जोखिम-समायोजित प्रतिलाभ प्राप्त करने के लिए अधिशेष निधियों का नियोजन बाजार में करने के लिए जिम्मेदार है। वैश्विक बाजार के संविभाग में एसएलआर (सांविधिक तरलता अनुपात) और गैर-एसएलआर प्रतिभूतियों में निवेश, सार्वजनिक रूप से बेचे जाने वाली इक्विटियों, उद्यम पूंजी निधियों, निजी इक्विटी एवं कार्यनीतिक निवेश शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, वह ऐसे बहुविध उत्पाद और

सेवाएँ देता है जिससे ग्राहकों की विदेशी मुद्रा की जरूरतों की पूर्ति होती है।।

#### ब्याज दर उतार-चढ़ाव और एसएलआर और गैर-एसएलआर पोर्टफोलियो

वैश्विक बाजार आपके बैंक के घरेलू निवेश संविभाग का प्रबंधन करता है और सीआरआर (नकद आरक्षित अनुपात) और एसएलआर (सांविधिक तरलता अनुपात) की विनियामक अपेक्षाओं की पूर्ति करता है। दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं और वित्तीय बाजारों पर कोविड -19 महामारी का बड़े पैमाने पर प्रभाव जारी रहा और भू-राजनीतिक तनावों ने बाजार की धारणा को और बिगाड़ दिया है।

मुख्य रूप से वस्तुओं की बढ़ी हुई कीमतों और आपूर्ति श्रृंखला / रसद व्यवधानों के कारण वैश्विक मुद्रास्फीति में वृद्धि वित्त वर्ष 2021-22 की मुख्य विशेषताओं में से एक रही है। भारत में, सीपीआई पूरे वर्ष आरबीआई के 4% के लक्ष्य से ऊपर बना रहा और पिछले कुछ महीनों में लगातार 6% से ऊपर बढ़ता रहा है, जिसका मुख्य कारण कच्चे तेल, खाद्य तेल की कीमतों और अन्य वस्तुओं की कीमतों पर ऊपर की ओर वृद्धि का दबाव रहा है।

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, आरबीआई ने आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न मौद्रिक उपाय करना जारी रखा। वर्ष की पहली छमाही के दौरान सरकार के बड़े उधार कार्यक्रम को सुगम बनाने के लिए, आरबीआई ने जी-सेक एक्विजिशन प्रोग्राम (जी-एसएपी) की शुरुआत की। आरबीआई ने अपरंपरागत उपायों जैसे कि लघु वित्त बैंकों के लिए लक्षित दीर्घकालिक रेपो संचालन (टीएलटीआरओ), अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों (एआईएफआई) के लिए तरलता सुविधा, असंयमित खुले बाजार संचालन (ओएमओ), प्रतिभूतियों की एक साथ बिक्री और खरीद आदि को भी जारी रखा। बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त तरलता के साथ मार्च 2021 से सीआरआर आवश्यकताओं में पहले की छूट को धीरे-धीरे वापस ले लिया गया। 31 दिसंबर 2021 तक सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) के तहत निवल मांग और सावधि देयताओं (एनडीटीएल) के अतिरिक्त एक प्रतिशत तक सांविधिक तरलता अनुपात (एसएलआर) में कमी करके, यानी एनडीटीएल के 3 प्रतिशत तक की छूट भी उपलब्ध कराई गई थी। आरबीआई ने स्थायी और तात्कालिक तरलता का प्रबंधन करने के लिए संशोधित चलनिधि प्रबंधन संरचना के तहत विभिन्न अवधि के परिवर्तनीय दर प्रतिवर्ती रेपो भी लागू किए।

वित्त वर्ष 2022-23 में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 6.40% रहने का अनुमान है, जबकि वित्त वर्ष 2021-22 में यह 6.90% (संशोधित अनुमान) था। केंद्र ने 12.50 लाख

करोड़ के रुपए की बाजार अपेक्षा के सामने रुपए 14.31 लाख करोड़ रुपए की बाजार सकल ऋण की घोषणा की जिसके परिणामस्वरूप बॉन्ड यील्ड में तेजी से वृद्धि हुई। प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा मौद्रिक और तरलता नीति को सख्त करने के बाद, मुद्रास्फीति में वृद्धि के साथ, भारतीय 10-वर्षीय बेंचमार्क बॉन्ड यील्ड 31 मार्च 2022 को 6.84% पर बंद हुआ।

आपके बैंक ने बड़ी सूझबूझ के साथ अतिरिक्त चलनिधि स्थिति का प्रबंधन किया है और चलनिधि में अपेक्षित मितव्ययिता को संभालने की अच्छी स्थिति में है। आपके बैंक ने प्रतिफल में वृद्धि के लिए कम ब्याज दर को नियंत्रण में रखते हुए उच्च गुणवत्ता वाले कॉरपोरेट बॉन्ड और सरकारी प्रतिभूतियों के मिश्रण में निवेश किया है।

#### इक्विटी बाजार

वैश्विक और घरेलू केंद्रीय बैंक की तरलता और कोविड -19 की दूसरी लहर से तेज आर्थिक सुधार ने हमारे इक्विटी बाजार को वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में वैश्विक सूचकांकों से बेहतर निष्पादन करने में मदद की। हालांकि, वर्ष की दूसरी छमाही में इक्विटी में सुधार हुआ क्योंकि बाजार सहभागियों ने मुद्रास्फीति के दबाव, वस्तुओं की कीमतों, विकास में मंदी, एफईडी के दर वृद्धि और भू-राजनीतिक तनावों का अनुमान लगा लिया था। भारतीय इक्विटियों ने चालू वित्त वर्ष में अच्छा प्रतिफल दिया, निफ्टी 50 इंडेक्स ने वर्ष-दर-वर्ष 18.88% लाभ दर्ज किया और सात वर्षों में दूसरे सबसे अच्छे प्रतिफल के साथ वर्ष समाप्त हुआ था। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान घरेलू बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स निफ्टी 50 ने 18,604 के उच्च और 14,151 के निचले स्तर के बीच कारोबार किया।

आपके बैंक ने बाजार की गति के अनुसार निवेश बुक पर विचार करते हुए, इक्विटी बाजार की तेजी में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस वर्ष भी नए युग की टेक कंपनियों सहित आईपीओ की झड़ों लग गईं, जिसमें मजबूत लिस्टिंग का लाभ मिला। InvTs और REITs सहित प्राथमिक बाजारों में आपके बैंक की सक्रिय भागीदारी बहुत उपयोगी साबित हुई है, जिससे उच्च प्रतिर्लाभ प्राप्त हुआ है। आपके बैंक ने घरेलू और वैश्विक पैरिघटनाओं पर नजर रखते हुए मजबूत जोखिम समायोजित प्रतिलाभ प्राप्त करने की दिशा में बाजार की गतिविधियों के अनुसार बही को पुनः व्यवस्थित करके इक्विटी पोर्टफोलियो का प्रबंधन जारी रखा हुआ है।

#### निजी इक्विटी/ जोखिम पूंजी निधि

आपका बैंक वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान वैकल्पिक निवेश क्षेत्र में सक्रिय भागीदार रहा है और प्रत्यक्ष इक्विटी भागीदारी के माध्यम से भी स्टार्ट-अप की सहायता की है। वर्ष के

दौरान, आपके बैंक ने निजी इक्विटी/वैकल्पिक निवेश कोष में 1,500 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश को मंजूरी दी।

### विदेशी मुद्रा बाजार

वैश्विक बाजार आपके बैंक के विदेशी मुद्रा कारोबार को संभालता है, ग्राहकों को उनके मुद्रा प्रवाह के प्रबंधन हेतु समाधान प्रदान करता है और बाजार को तरलता प्रदान करने के अतिरिक्त, विकल्प, स्वैप और फॉरवर्ड के माध्यम से जोखिमों से बचाव करता है। आपका बैंक यूएसडी-रुपया स्पॉट और यूएसडी-रुपया फॉरवर्ड बाजारों में अग्रणी प्रतिभागी है और व्यापारी विदेशी मुद्रा प्रवाह में उच्च बाजार हिस्सेदारी रखता है। आपका बैंक सीसीआईएल एफएक्स क्लियर प्लेटफॉर्म में तरलता प्रदान करने में सबसे आगे है। करेंसी फ्यूचर्स में ट्रेड किया गया वॉल्यूम आपके बैंक को एक्सचेंज हाउस के प्रमुख क्लाइंट बैंकों की श्रेणी में रखता है। आपका बैंक सीसीआईएल द्वारा शुरू किए गए एफएक्स-रिटेल प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रूप से ग्राहकों को शामिल कर रहा है, जिसके माध्यम से ग्राहक पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण से लाभान्वित होंगे। आपके बैंक ने ग्राहकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एफएक्स-ऑल और ई-फॉरेक्स ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराए हैं।

पिछले वर्ष, आरबीआई ने भारतीय बैंकों को अपतटीय यूएसडी-रुपया बाजारों में भाग लेने की अनुमति दी थी, जिसे एनडीएफ बाजार या नॉन-डिलिवरेबल डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स (एनडीसीसी) के रूप में भी जाना जाता है। तदनुसार, आपके बैंक ने अपतटीय यूएसडी-रुपया बाजार में भाग लेना प्रारंभ कर दिया है और उस बाजार का एक प्रमुख प्रतिभागी है। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान भारत के व्यापारिक लेनदेन की मात्रा में वर्ष-दर-वर्ष 49.80% की मजबूत वृद्धि देखी गई, जिसके परिणामस्वरूप आपके बैंक के लिए मर्चेट वॉल्यूम में भी सुधार हुआ है।

### वायदा कारोबार (डेरिवेटिव्स)

आपका बैंक वर्तमान में ओवर द काउंटर (ओटीसी) ब्याज दर और मुद्रा डेरिवेटिव्स के साथ-साथ एक्सचेंज-ट्रेडेड करेंसी डेरिवेटिव्स और ब्याज दर फ्यूचर्स में डील करता है। आपके बैंक द्वारा कारोबार किए जाने वाले ब्याज दर डेरिवेटिव में रुपया ब्याज दर स्वैप (ओआईएस), रुपया ब्याज दर फ्यूचर्स (आईआरएफ), विदेशी मुद्रा ब्याज दर स्वैप (आईआरएस), विदेशी मुद्रा से रुपया ब्याज दर स्वैप (एमआईएफओआर), फॉरवर्ड रेट एग्जिमेंट (एफआरए), कैप्स, फ्लोर और कॉलर हैं। आपके बैंक द्वारा निपटाए गए मुद्रा डेरिवेटिव्स क्रॉस करेंसी स्वैप (सीसीएस), यूएसडी/आईएनआर विकल्प और क्रॉस करेंसी विकल्प हैं। आपके बैंक के ग्राहकों को ये उत्पाद

और उनके अनुकूलित संस्करण ब्याज दर और विदेशी मुद्रा एक्सपोजर को हेज करने के लिए पेश किए जाते हैं। आपके बैंक द्वारा डेरिवेटिव का उपयोग व्यापार के साथ-साथ बैलेंस शीट हेजिंग उद्देश्यों के लिए भी किया जाता है।

आपके बैंक ने सभी लिबोर सेटिंग्स के लिए लिबोर से वैकल्पिक संदर्भ दरों (एआरआर) में परिवर्तन को सुचारू रूप से पूरा कर लिया है, जिन्हें 31 दिसंबर 2021 से चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर दिया गया है। पिछले कुछ महीनों से, आपका बैंक हमारे ग्राहकों को संक्रमण के बारे में लगातार जागरूक कर रहा है और 1 जनवरी 2022 से एआरआर आधारित उत्पाद जैसे एफसीएनआर (बी) ऋण, पीसीएफसी/ईबीआर ऋण और डेरिवेटिव उत्पाद शुरू किए हैं।

डेरिवेटिव्स लेनदेन में बाजार जोखिम होता है, अर्थात् ब्याज दरों/विनिमय दरों में प्रतिकूल उतार-चढ़ाव के परिणामस्वरूप आपके बैंक को संभावित नुकसान हो सकता है। इसमें ऋण जोखिम भी होता है, यानी सामने वाला पक्ष अपने दायित्वों को पूरा करने में विफल रहते हैं तो आपके बैंक को संभावित नुकसान हो सकता है। बोर्ड द्वारा अनुमोदित आपके बैंक की "डेरिवेटिव्स नीति" डेरिवेटिव्स लेनदेन करने के लिए बाजार जोखिम मानदंड (अन्य के साथ-साथ ग्रीक लिमिट, लॉस लिमिट, कट-लॉस ट्रिगर, खुली स्थिति सीमा, अवधि, संशोधित अवधि, पीवी01) और ग्राहक पात्रता मानदंड (ऋण रेटिंग, संस्वीकृति सीमाएं एवं ग्राहक उपयुक्तता नीति के अनुसार सीएसए रेटिंग) निर्धारित करती है। अंतर बैंक प्रतिपक्षों के जोखिम की निगरानी इस प्रयोजन के लिए निर्धारित सीमाओं के माध्यम से की जाती है।

इन प्रतिपक्षों ने हमारे साथ आइएसडीए भी निष्पादित किया है।

विभिन्न प्रकार के जोखिमों की निगरानी के लिए आपके बैंक में विभिन्न समितियां और विभाग हैं। आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एल्को) कुशल चलनिधि प्रबंधन की निगरानी करती है। बाजार जोखिम प्रबंधन विभाग (एमआरएमडी) डेरिवेटिव्स लेनदेन से जुड़े बाजार जोखिमों की पहचान, उपाय और निगरानी करता है। यह विभाग इन जोखिमों के नियंत्रण और प्रबंधन में भी आस्ति देयता और प्रबंधन समिति की सहायता करता है और नियमित अंतराल पर बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी) को निर्धारित नीति के अनुपालन की रिपोर्ट करता है।

डेरिवेटिव के लेखांकन की नीति आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार की गई है।

### ग. अंतरराष्ट्रीय परिचालन

सही मायने में अंतरराष्ट्रीय बैंक बनने के अपने प्रयास में, आपके बैंक का ध्यान विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में फैले भारतीय प्रवासियों और वैश्विक भारतीय कंपनियों का समर्थन करने के लिए भारत आधारित व्यवसाय के साथ विदेशी स्थानीय बाजारों में अपनी पैठ बढ़ाने के लिए फिर से संगठित किया गया है। आपके बैंक के विदेशी परिचालनों का प्रबन्धन एक अलग व्यापार इकाई द्वारा किया जाता है - अन्तर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह (आईबीजी) जिसकी अध्यक्षता उप प्रबंध निदेशक (आईबीजी) द्वारा की जाती है और इसकी देखरेख एमडी (आईबी, टीएंडएस) द्वारा की जाती है।

विदेश स्थित बैंकिंग अनुषंगियां/ संयुक्त उद्यम	शेयरधारिता (%)
<b>अनुषंगियां</b>	
भारतीय स्टेट बैंक ( कैलिफोर्निया)	100.00
एसबीआई कनाडा बैंक	100.00
भारतीय स्टेट बैंक (यूके) लिमिटेड	100.00
कमर्शियल इंडो बैंक एलएलसी	60.00
एसबीआई(मॉरिशस) लिमिटेड	96.60
बैंक एसबीआई इंडोनेशिया	99.34
नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड	55.00
<b>विदेशी गैर-बैंकिंग अनुषंगियां</b>	
एसबीआई सर्विकोस लिमिटाडा, ब्राजील	99.99
<b>संयुक्त उद्यम</b>	
बैंक ऑफ भूटान लिमिटेड	20.00